वन उत्पादकता संस्थान, रांची

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत

बांस हस्तशिल्पकला : स्वरोजगार हेतु बांस उत्पादन एवं मूल्यवर्धन

स्थान : हंसबेरा, कर्रा, खूंटी

24.02.2022

वन उत्पादकता संस्थान, रांची के निदेशक के त्वरित पहल एवं मार्गदर्शन में आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत दिनांक 24.02.2022 को बांस हस्तशिल्पकला : स्वरोजगार हेतु बांस उत्पादन एवं मूल्यवर्धन" विषय पर वन विज्ञान केंद्र, झारखंड के तत्वावधान में हंसबेरा, कर्रा, खूंटी के 38 बांस कारीगरों को बांस उत्पादन एवं मूल्यवर्धन पर प्रशिक्षण दिया गया एवं शिल्पकार श्रीमती मीरा देवी एवं पूनम देवी ने बांस के सजावटी एवं उपयोगी मूल्यवर्धक सामान बनाना सिखाया।

कार्यक्रम का परिचय देते हुए श्री बी.डी.पंडित ने प्रतिभागियों को बांस उत्पादन, बांस के लाभ आदि की चर्चा करते हुए शिल्पकार श्रीमती मीरा देवी एवं श्रीमती पूनम देवी से परिचय कराया। श्री एस.एन.वैद्य ने बांस उत्पादन के विभिन्न तकनीक को बताते हुए बांस उत्पादन को बढ़ाने एवं अपने आय मे वृद्धि करने की अपील की। श्री सूरज कुमार ने बांस के उपयोग की चर्चा की। श्री मंगत राम मांझी, श्री रमेश मांझी, श्री बिरसा मांझी, श्रीमती आरती देवी, श्रीमती होलिका देवी ने भी अपनी-अपनी बात रख बांस के मूल्यवान उत्पाद बनाना सीखने की इच्छा जाहिर की।

दीनदयाल ग्राम स्वावलंबन के श्री मिकेश कुमार महतो ने ग्रामीणो से आग्रह किया कि वन उत्पादकता संस्थान द्वारा आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीणों के जीविकोपार्जन में मदद करेगी।

श्रीमती मीरा देवी एवं श्रीमती पूनम देवी ने ग्रामीणों को समूह में बाटकर फूलदान बनाना सिखाया और ग्रामीणों की दिलचस्पी के फलस्वरूप अल्पसमय में ही दो फूलदानो को प्रशिक्षणार्थियों द्वारा बनाकर प्रदर्शित किया गया |

अंत में श्री बी.डी.पंडित ने बताया कि उपयुक्त प्रजाति का बांस लगाकर खुद के बांस का उपयोग कर समान बनाए जिसका विशाल बाजार है। धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम समापन की घोषणा की।

38 महिलाओं को मीरा ने दिया प्रशिक्षण

संवाद सूत्र, रनिया : बांस हस्तकला स्वरोजगार के लिए बांस उत्पादन एवं मूल्यवर्धन के लिए विभिन्न प्रकार के सजावटी सामग्री बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत वन उत्पादकता संस्थान रांची के निदेशक डॉ नितिन कुलकर्णी के निर्देश पर 38 महिलाओं को उक्त प्रशिक्षण दिया गया। हसबेडा गांव में आयोजित प्रशिक्षण में रनिया के केलो गांव की मीरा देवी ने प्रशिक्षणार्थियों को बांस से सजावटी सामग्री बनाने के गुर सिखाया गया। मौके पर मीरा ने पेन स्टैंड, ग्लोब, सीप, ट्रे, गुलत सहित अन्य प्रकार के सजावटी सामग्री बनाने का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के संबंध में वन उत्पादकता संस्थान रांची के तकनीकी अधिकारी विष्णु दयाल पंडित ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र की होनहार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने को लेकर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के लिए प्रशिक्षण कारगार सिद्ध होगा। ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं अपने घरों पर रहकर भी बांस से विभिन्न प्रकार की सजावटी सामग्री का निर्माण कर आत्मनिर्भर बन सकती है। इसे लेकर संस्थान गंभीर है।